ASSOCHAM IN THE NEWS

Navbharat Times

27 March, 2018

भारत की बढ़ते व्यापार घाटे की चिंताओं को दूर करेगा चीन

विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

भारत के साथ व्यापार बढ़ाने को लेकर चीन ने जहां अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की है, वही चीन ने अब भारत की ट्रेड डेफिसिट यानी व्यापार घाटा की चिंताओं को दूर करने का वायदा किया है। चीन ने सोमवार को दोनों देशों के बीच बढ़ते व्यापार घाटे को लेकर एक संतुलित नजरिया अपनाने की बात कही है। चीन ने कहा कि भारत ने अपने सरसों, सोयाबीन, चावल और चीनी जैसे प्रोडक्ट्स के ज्यादा मार्केट एक्सेस देने की मांग की है। चीन के कॉमर्स मिनिस्टर झोंग शान भारत के दौरे पर हैं। इस दौरान भारत के साथ उनकी कई अहम मुद्दों पर बात हुई। इधर एक्सपर्ट का मानना है कि अमेरिका द्वारा चीन के प्रोडेक्ट पर इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाने के फैसले के बाद भारत के साथ व्यापार बढ़ाने को लेकर चीन के रुख में सकारात्मक रुख आना स्वाभाविक है। चीन के कॉमर्स मिनिस्टर का यह बयान इसी बात को दर्शाता है।

इंडस्ट्री चैंबर एसोचैम के डायरेक्टर जनरल डीएस रावत का कहना है कि दोनों देशों बीच कारोबार संतुलित रूप से बढ़े, यह दोनों के लिए अच्छा होगा। चीन को विशेष रूप से अब इस बात पर ध्यान देना चाहिए। भारत और चीन के बीच बीते एक साल में कारोबार करीब 19 फीसदी बढ़कर 5.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। लेकिन व्यापार घाटा 8.5 फीसदी बढ़कर 3.36 लाख करोड़ से ज्यादा हो गया। इसे कम करने के लिए भारत लगातार चीन पर दबाव बना रहा है।